VIURE A CATALUNYA. APRENEM CATALÀ des de l'hindi

कातालुन्या मैं रहना हिंदी माध्यम से कातालान सीखें

Generalitat de Catalunya

© Generalitat de Catalunya, 2022

Departament de Cultura. Secretaria de Política Lingüística
Departament d'Igualtat i Feminismes. Secretaria d'Igualtats

Autors: Jordi Font, Berta Fortiana i Rosabel Ganyet
amb la col·laboració de l'Associació Punt d'Intercanvi

Traducció i adaptació cultural: Robert Masih Nahar, Kandarp Mehta, Dhwani Mehta, Alok lahad i Kamaljeet Kaur (Indian Culture Centre), amb el suport de l'Ambaixada de l'Índia a Espanya

Àudio: ADB Studio
Disseny: Indica

1a edició: juny de 2022
ISBN: 978-84-18986-70-3
DL: B 4179-2022

Avís legal: aquesta obra està subjecta a una llicència Reconeixement-No Comercial-Sense Obres Derivades 4.0 de Creative Commons, d’acord amb la qual es permet la reproducció, distribució i comunicació pública de l’obra sempre que se’n citin els autors i l’editor, i no se’n faci un ús comercial ni se’n creïn obres derivades.
La llicència completa es pot consultar a https://creativecommons.org/licenses/by-nc-nd/4.0/es/legalcode

Col·lecció APRENEM CATALÀ DES DE...

VIURE A CATALUNYA. APRENEM CATALÀ des de l'HINDI

कातालुन्या मैं रहना हिंदी माध्यम से कातालान सीखें

Generalitat de Catalunya

MATERIALS PER A L'ACOLLIMENT LINGÜÍSTIC 6 - 7

INFORMACIÓ BÀSICA 8 - 29

CATALÀ, LLENGUA D'ACOLLIDA 30 - 139

COMENCEM A PARLAR 140 - 191

La informació i els fitxers d'àudio d'aquest llibre els podeu trobar a la pàgina web de la Secretaria de Política Lingüística:
https://llengua.gencat.cat/viure-hindi

Si esteu interessats a fer cursos de català, poseu-vos en contacte amb el Consorci per a la Normalització Lingüística a través de la pàgina web:
https://www.cpnl.cat

भाषाई अंगीकरण हेतु सामग्री
6 - 7

आधारभूत जानकारी
8 - 29

कातालान, अगवानी की भाषा
30 - 139

आइए, बोलना शुरू करे
140 - 191

इस पुस्तक की जानकारी और ऑडियो फाइलें भाषा नीति के लिए महानिदेशालय की वेबसाइट पर पाई जा सकती हैं:
https://llengua.gencat.cat/viure-hindi

यदि आप कातालान का अभ्यास करने में रुचि रखते हैं, तो कृपया निम्न वेबपृष्ठ के माध्यम से ‘कोनसोर्सी पेर ला नोर्मलित्ज़ासिओ लिंग्विस्तिका’ से संपर्क करें:
https://www.cpnl.cat

MATERIALS PER A L'ACOLLIMENT LINGÜÍSTIC

भाषाई अंगीकरण हेतु सामग्री

MATERIALS PER A L'ACOLLIMENT LINGÜÍSTIC

Aquests materials proporcionen un primer contacte amb la llengua catalana, alhora que permeten entendre i practicar frases quotidianes, tot facilitant les comunicacions amb la societat d'acollida.

Els materials estan dividits en tres apartats:

El primer apartat es diu «Informació bàsica» i tracta de continguts que s'emmarquen en els títols: Catalunya i la llengua catalana, Algunes diferències entre la llengua catalana i la llengua hindi i Alguns aspectes culturals de la societat catalana.

El segon apartat es diu «Català, llengua d'acollida»; conté deu lliçons de català inicial que tracten de temes relacionats amb la vida quotidiana. En cada lliçó trobareu uns diàlegs breus i un vocabulari relacionat amb el tema que podreu escoltar i repetir per repassar la lliçó.

El tercer apartat es diu «Comencem a parlar», conté diàlegs sobre els mateixos temes anteriors, però amb més aprofundiment.

Per descarregar-vos els fitxers d'àudio podeu anar directament a:

https://llengua.gencat.cat/viure-hindi-audio

भाषाई अंगीकरण हेतु सामग्री

ये सामग्रियां आपको कातालान भाषा के साथ प्रथम संपर्क प्रदान करती हैं, क्यों की यह आपको प्रतिदिन प्रयोग मैं आने वाले वाक्यांशों को समझने और उनका अभ्यास करने का अवसर देती हैं, और यह परिचारक वर्ग के साथ संचार की सुविधा प्रदान करता है ।

सामग्रियों को तीन वर्गों में विभाजित किया गया है:

पहले खंड को "मौलिक जानकारी" का नाम दिया गया है और इस मैं निम्नलिखित शीर्षको के अंतर्गत आने वाली सामग्री प्रदान की गई है: कातालुन्य और कातालान भाषा, कातालान और हिंदी के बीच कुछ अंतर और कातालान समाज के कुछ सांस्कृतिक पहलू ।

दूसरे खंड का शीर्षक है "कातालान, स्वागत की भाषा"; इस में दस प्रारंभिक कातालान पाठ सम्मिलित हैं जो दिन प्रतिदिन के जीवन से जुड़े विषयों से संबंधित हैं। प्रत्येक पाठ में आपको उस विषय से संबंधित छोटे संवाद और शब्दावली मिलेंगी जिन्हें आप सुन सकते हैं और पाठ के अध्ययन के लिए दोहरा सकते हैं ।

तीसरे खंड को "आओ बोलना प्रारम्भ करें" का नाम दिया गया है, इसमें ऊपर वर्णित विषयों पर संवाद संकलित हैं, किंतु उनका विषयवास्तु अधिक विस्तृत है ।

ऑडियो फ़ाइलों को डाउनलोड करने के लिए आप सीधे यहां जा सकते हैं:

https://llengua.gencat.cat/viure-hindi-audio

INFORMACIÓ BÀSICA

आधारभूत जानकारी

CATALUNYA I LA LLENGUA CATALANA 10-13

कातालान अगवानी की भाषा 10-13

ALGUNES DIFERÈNCIES ENTRE LA LLENGUA CATALANA I LA LLENGUA HINDI 14-25

कातालान एवं हिंदी मैं कुछ मूलभूत भिन्नताएँ 14-25

ALGUNS ASPECTES CULTURALS DE LA SOCIETAT CATALANA 26-29

कातालान समाज के कुछ सांस्कृतिक पहलू 26-29

CATALUNYA I LA LLENGUA CATALANA

कातालान अगवानी की भाषा

कतालुन्या, प्रतिग्रहण का क्षेत्र

कतालुन्या स्पेन के उत्तर-पूर्व में स्थित एक देश है। यह पूर्व में भूमध्य सागर से, उत्तर में फ्रांस और अंदोर्रा से, पश्चिम में आरागॉन से और दक्षिण में वैलेंसियन देश से इसकी सीमाएँ लगती हैं। ऐतिहासिक रूप से, यह अन्य संस्कृतियों के लोगों के लिए एक प्रतिग्रहण का देश रहा है, जिस ने इसे अपनी पहचान बनाने में योगदान दिया है। इस कारण, जो लोग इस देश को रहने के लिए चुनते हैं उनका सहृदय से स्वागत होता है और हम उन्हें अपने रीति-रिवाजों और हमारी भाषा, कातालान को जानने और साझा करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं ।

कातालुन्या में 947 नगर पालिकाओं में वितरित साढ़े सात लाख से अधिक निवासी हैं। क्षेत्रीय प्रभाग के दो प्रशासनिक रूप हैं: कातालान प्रशासन द्वारा किया हुआ विभाजन जो कातालुन्या को 42 प्रभागों में विभाजित करता है, और केंद्रीय प्रशासनिक इसे 4 प्रदेशों मैं विभाजित करता है जो हैं: बार्सिलोना, जीरोना, ल्येईदा और तार्रागोना । बार्सिलोना शहर कातालुन्या की राजधानी है और विस्तार और निवासियों की संख्या, दोनों के अनुसार स्पेन का दूसरा सबसे बड़ा शहर है ।

कातालान समाज और संस्कृति का निर्माण विचारों, रीति-रिवाजों और लोगों के आदान-प्रदान द्वारा हुआ है, जो कि अन्य संस्कृतियों और राष्ट्रों के साथ आवागमन और वाणिज्यिक लेन-देन के लंबे इतिहास की फलश्रुति है, जो भूमध्यसागरीय क्षेत्र में इसके परिवृतता का परिणाम है। कातालान समाज अपने संस्थानों, संस्कृति, भाषा (कातालान) और परंपराओं के लिए मान्यता व प्रतिष्ठा का धनी है ।

इतिहास, संस्कृति और प्राचीन भाषा

कातालान संस्कृति कातालान पहचान का मुख्य प्रतिरूप है। यह लगातार विकसित और समृद्ध हो रही है, विशेष कर उन लोगों के रीति-रिवाजों और परंपराओं को सम्मिलित कर जो कातालुन्या को यहां रहने के लिए चुनते हैं ।

कातालुन्या की स्वयं की एक ऐतिहासिक और कलात्मक विरासत है जिसमें इबेरियाई, यूनानी और रोमानी अतीत सम्मिलित हैं, और जो रोमानी और आधुनिकतावादी कला के साथ भव्यता प्राप्त करता है, जिस का सबसे बड़ा प्रतिपादक आंतोनिओ गाऊदी है ।

लोकप्रिय त्योहारों या परंपराएँ, जैसे कि बेर्गा का पातुम या कास्तेयेरस (दोनों यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत घोषित हैं) इस देश की स्वयंकी एक पहचान की पुष्टि करते हैं। अन्य त्यौहार, जैसे कि ग्यारह सितंबर, कातालुन्या का राष्ट्रीय पर्व, या सांत जोर्दी, नागरिक उत्सवों की एक महान परंपरा को सशक्त करते हैं । कातालान का जन्म 8 वीं और 10 वीं शताब्दी के बीच एक रोमांस भाषा के रूप में हुआ था। 11 वीं शताब्दी के अंत में हमें पहला लेखन मिला और 13 वीं शताब्दी में, रामोन ल्यूय के साथ, यह साहित्यिक भाषा की श्रेणी में पहुंच गई ।

मध्यकालीन युग, कातालान साहित्यिक के लिए भव्यता का काल रहा। तत्पश्चात, संस्कृति की भाषा के रूप में स्पेनिश की प्रधानता इस के साहित्यिक पतन का कारण बनी। बोरबोन राजवंश के शासन काल में (1712) और उत्तराधिकार के युद्ध में कातालानो की हार के परिणामस्वरूप, कातालान शिक्षा पर प्रतिबंध और सार्वजनिक बहिष्कार के साथ स्थिति और गंभीर बन गई ।

19 वीं सदी मैं कला की नवचेतना के साथ कातालान भाषा के एक प्रतिष्ठित भाषा के रूप में प्रमाणित होने का समय आया। इस पुन:प्राप्ति का चर्मोत्कर्ष पोम्पेउ फाबरा के साथ हुआ, जिन्होंने 1916 में आधिकारिक व्याकरण, और 1932 में कातालान भाषा के साधारण कोष को विकसित किया । सन 1977 मैं लोकतंत्र के पुनरागमन के साथ, कातालान भाषा के उपयोग और सम्मान की मांग कातालुन्या के नागरिक आंदोलनों में निरंतर बनी रही है ।

कातालान भाषा कातालान पहचान की एक मूलभूत विशेषता है और वह सामाजिक सामंजस्य की कुंजी रही है। इसलिए यह आवश्यक है कि प्रत्येक नवागंतुक कातालान सीखे और अभिग्रहित देश की भाषा में संवाद करे। इसके अतिरिक्त, यह नए वातावरण को जानने मैं मदद करेगी और विभिन्न क्षेत्रों, जैसे कि कामकाज, मेलजोल या नागरिक भागीदारी में स्वायत्तता की सुविधा प्रदान करेगी ।

कातालान भाषा

कातालान एक रोमांस भाषा है, जैसे स्पेनिश, फ़्रांसीसी, इतालवी, रोमानियाई और पुर्तगाली इत्यादि। इसकी रचना 8 वीं और 10 वीं शताब्दियों के बीच हुई थी। वर्तमान में यह कातालुन्या, बालेआरेस द्वीपसमूह, आरागौन की पूर्वी पट्टी और वैलेंसिया देश (जहां इसे वैलेंसियन कहा जाता है) में बोली जाती

है। आन्दोरा में यह एकमात्र आधिकारिक भाषा है और इसका उपयोग फ्रांस के दक्षिण और आलगेर शहर में, इतालिया के सारदेन्या द्वीप तक फैला हुआ है। वर्तमान में लगभग 1 करोड़ लोग कातालान भाषी हैं ।

कातालान कतालुन्या की भाषा है और स्पेनिश और ऑक्सीतानों भाषा के साथ एक आधिकारिक भाषा है ।

संसार में 7,000 से अधिक भाषाएँ बोली जाती हैं। वाचकों की संख्या के क्रम अनुसार, कातालान शीर्ष की 100 भाषाओं में से एक है। यूरोपीय संघ की 24 आधिकारिक भाषाओं की तुलना में, कातालान नौवें स्थान पर है। वर्तमान में, दुनिया भर के 162 विश्वविद्यालय और केंद्रों मैं कातालान भाषा पढ़ाई जाती हैं ।

पिछले कुछ वर्षों में, कातालुन्या में, अन्य देशों से, काम करने के लिए आने वाले के लोगों के आगमन से, बहुत सी अन्य भाषाओं को बड़ी मात्रा मैं सुना जा सकता है। वर्तमान में, कातालुन्या में 180 से अधिक राष्ट्रीयताओं के लोग एक साथ रहते हैं और लगभग 300 भाषाएँ बोलते हैं ।

कातालान सीखना क्यों महत्वपूर्ण है ?

कातालान भाषा का ज्ञान नए लोगों को दैनिक जीवन के कई क्षेत्रों के निकट लाता है ।

कातालान बोलना सकारात्मक रूप से मूल्यवान है और नौकरी में पदोन्नति में योगदान देता है। कुछ कंपनियों में यह एक अनिवार्य आवश्यकता है, और यदि आपका अपना व्यवसाय है, तो कातालान जानने से आप इसे बोलने वाले ग्राहकों को एक श्रेष्ठतर सेवा प्रदान कर सकेंगे ।

कातालान भाषा शिक्षा का माध्यम है: यह सभी विद्यालयों में बातचीत और अध्ययन की प्रमुख भाषा है। कातालान को जानने से हमारे बेटे-बेटियों को उनके अध्ययन में मदद मिलेगी और उन्हें प्रशिक्षण में आगे बढ़ाने में मदद करेगी ।

कातालान बोलना परिवेश की जानकारी मैं, परिचारक समाज को समझने और विभिन्न सेवाओं के संचालन में सरलता प्रदान करता है। यह मैत्रिक व सामाजिक संबंधों के विस्तार मैं सहायक होती है ।

कातालान स्त्री व पुरुष उन नवआगंतुक लोगों को बहुत सकारात्मक रूप से देखते हैं जो कातालान को समझने का प्रयास करते हैं और वह यह देख कर खुश होते हैं कि कातालुन्या के नए नागरिक जो देश उन्हें आतिथ्य प्रदान कर रहा है, वे उस देश की भाषा सीख रहे हैं ।

अभिग्रहण भाषा के लिए सामग्री

हमारे द्वारा प्रस्तुत भाषाई अभिग्रहण की सामग्री हमें दिन प्रतिदिन के वाक्यों को समझने और अभ्यास करने मैं सहायता करती है। हम आपको कातालान भाषा का उपयोग करने के लिए आमंत्रित करते हैं और आपको वाक्यों का एक समूह प्रस्तुत करते हैं जो आपको कातालान सीखने में मदद करेगा ।

अगर आपको किसी द्वारा कुछ कहा गया समझ न आए तो आप कह सकते है

M'ho pot repetir, si us plau?
(मु पोत रेपेति', सी उस प्लाऊ?)
क्या आप कृपया यह दोहरा सकते हैं ?

यह कहने के लिए कि वे इतनी जल्दी बात नहीं करे, आप कह सकते हैं

M'ho pot dir més a poc a poc, si us plau?
(मु पोत दी' मेज़ आ पोक आ पोक, सी उस प्लाऊ?)
क्या आप कृपया मुझे और धीरे-धीरे बोल सकते हैं ?

यह कहने के लिए कि, आप अभी आए हैं, आप कह सकते हैं

Fa poc temps que he arribat, pot parlar més a poc a poc?
(फ़ा पोक तेम्प्स क ए आर्रीबात, पोत पार्ला' मेज़ आ पोक आ पोक?)
मैं अभी आया हूँ, क्या आप और अधिक धीमी गति से बात कर सकते हैं ?

हिंदी की तरह कातालान की भी उपभाषाएँ हैं और स्वयं की मानक भाषा भी हैं। इस सामग्री में हमने कातालान के मानक संस्करण और हिंदी के मानक संस्करण का उपयोग किया है, और हमने इसे बोलने पर मूल निवासी के मौखिक उच्चारण को बहुत ध्यान में रखा है ।

ALGUNES DIFERÈNCIES ENTRE LA LLENGUA CATALANA I LA LLENGUA HINDI

कातालान एवं हिंदी मैं कुछ मूलभूत भिन्नताएँ

वर्णमाला

जैसा कि हमने पहले कहा है, कातालान एक रोमांस भाषा है जो लैटिन से आती है ।

हिंदी वर्णमाला जो एक अल्फ़ा सेलिबरी है, उस के विपरीत, कातालान में छब्बीस अक्षरों (पांच स्वर और इक्कीस व्यंजन) से युक्त एक वर्णमाला है ।

कातालान में 5 स्वर हैं, **A, E, I, O, U** जो 8 ध्वनिओं को दर्शाते हैं:

A (शुद्ध) आ
A/E (तटस्थ) आ
E (खुला) ऐ बड़ी
E (बंद) ऐ
I (शुद्ध) ई
O (खुला) औ
O (बंद) ओ
U (शुद्द) ऊ

विश्व की कई अन्य भाषाओं की तरह, कातालान में एक तटस्थ स्वर है। तटस्थ स्वर **e** और **a** के बीच एक मध्यवर्ती ध्वनि है, जो हमेशा एक बलाघातहीन स्थिति में दिखती है और यह वर्तनी में **A** अथवा **E** द्वारा दर्शाई जा सकती है, यद्यपि हिंदी में इन ध्वनिओं के लिए दो अलग स्वरों का प्रयोग होता है ।

कातालान व्यंजन निम्नलिखित हैं:

B C D F G H J K L M N P Q R S T V W X Y Z

पूर्ण वर्णमाला यह है:

A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z

कातालान व्यंजनो की मुख्य विशेषताएँ

— लिखित रूप में **B** और **V** दो अलग अलग अक्षर हैं किन्तु इन का उच्चारण लगभग एक ही है ।
— अक्षर **Ç** तथा अक्षर **S** का उच्चारण एक समान है ।
— यदि अक्षर **D** किसी शब्द के अंत में आए तो इसका उच्चारण अक्षर **T** के समान होता है ।
— अक्षर **H** का शून्य ध्वन्यात्मक मूल्य है जो किसी भी स्थिति में उच्चारित नहीं किया जाता है ।

कुछ ध्वनियों को दर्शाने के लिए बहुदाः दो व्यंजन का सयुंक्त प्रयोग भी किया जाता है, जैसे:

— **LL**, उसका उच्चारण हिंदी में उच्चार ल्य जैसा है, अंग्रेजी में ये ध्वनि ly जैसा होता है - कुछ शब्दों मैं, जैसे:

LLAPIS	ल्यापिस	**पैंसिल**
TOVALLOLA	तोवाल्योला	**तौलिया**
CAVALL	कावाल्य	**घोड़ा**

— **L·L**, इसका नाम ela geminada (एला जेमिनादा) है, इसका उच्चारण इस प्रकार किया जाता है जैसे की **L** को दो बार बोलै जाए। हिंदी मैं इस ल्ल द्वारा दर्शाया जाता है। उद्धरण के रूप मैं:

PEL·LÍCULA	पल्लीकुला	**फ़िल्म**
SOL·LICITUD	सोलिसितूद	**आवेदन**
PARAL·LEL	पाराल्लेल	**समान्तर**

— **NY**, का उच्चारण ऐसे किया जाता है जैसे की **N** और **Y** को एक संग बोलै जाए। हिंदी मैं ध्वनि होगी न्य ।

SENYORA	सेन्योरा	**स्त्री**
COMPANYIA	कोमपानियाँ	**कॉम्पनी**
ANY	आन्य	**वर्ष**

— **TX** अथवा **IG**. दोनों रूपों का एक ही ध्वन्यात्मक मूल्य यानि उच्चारण है और यह हिंदी में च की ध्वनि के अनुरूप है। अंग्रेजी मैं इसकी ध्वनि **CH** से मिलती जुलती है (जैसे *cheese*) ।

DUTXA	दूचा	**फुहारा**
DESPATX	देसपाच	**कार्यालय**
MAIG	माच	**मई**
MIG	मिच	**मध्य**

— **IX**, यह ध्वनि हिंदी में श द्वारा दर्शाई जाती है. अंग्रेजी मैं यह ध्वनि **SH** द्वारा दर्शाई जाती है (जैसे *ship*) ।

PEIX	पेश	**मछली**
CAIXA	काय्शा	**डिब्बा**
QUEIXAL	कैशाल	**दाढ़**

— **SS**, कातालान में, हिंदी की भांति, मूक ऐसा और सुस्वन ऐसा के बीच अंतर करते हैं, मूक ऐसा जो हिंदी मैं स की ध्वनि के समान है, और सुस्वन ऐसा जिसकी ध्वनि हिंदी मैं ज़ंजीर के ज़ के समान है। अंग्रेजी मैं इसके लिए क्रमशः **S** तथा *busy* शब्द के **S** की तरह बोला जाता है। उदाहरण के लिए:

TERRASSA	तररासा	**तररासा (शहर)**
CASA	काज़ा	**घर**

लिंग और वचन का सामंजस्य

कातालान में, हिंदी की भांति, लिंग और वचन में अंतर होता है। एकल व्यक्ति या वस्तु के लिए एकवचन का उपयोग किया जाता है:

NOI	लड़का	NOIA	लड़की
HOME	पुरुष	DONA	स्त्री
PLÀTAN	केला	POMA	सेब

और यदि दो या अधिक व्यक्ति या वस्तुंए हों तो बहुवचन का उपयोग किया जाता है:

NOIS	लड़के	NOIES	लड़कियाँ
HOMES	पुरुष	DONES	स्त्रियाँ
PLÀTANS	केले	POMES	सेब

दो भाषाओं के बीच एक महत्वपूर्ण समानता यह है कि हिंदी मैं कारक के अनुसार संज्ञा का रूप नहीं बदलता। ठीक इसी प्रकार, कातालान मैं भी कारक का प्रयोग नहीं होता और संज्ञा के विभक्ति रूप नहीं होते। दोनों भाषाओं में अंतर इतना ही है की हिंदी में परसर्ग का प्रयोग है और कातालान में पूर्वसर्ग का प्रयोग होता है ।

आपोस्ट्रोफी

कातालान के विपरीत, हिंदी में कोई उपपद नहीं है। कातालान में हम निश्चयवाचक उपपद का उपयोग, यह व्यक्त करने के लिए करते हैं कि क्या कोई संज्ञा निश्चित है (*la casa*) या नहीं. यदि संज्ञा अनिश्चित हो तो अनिश्चियवाचक उपपद का प्रयोग किया जाता है (*una casa*)। पुलिंग एक वचन संज्ञा के लिए निश्चयवाचक उपपद **EL** व स्त्रीलिंग एक वचन निश्चयवाचक उपपद **LA** का प्रयोग यदि किसी स्वर या **H** (आक) के साथ आरम्भ होने वाले शब्द के सामने प्रयुक्त होने की अवस्था में उपपद के लघु रूप **L'** का प्रयोग किया जाता है ।

EL + ARBRE	L'ARBRE	**पेड़**
EL + HOME	L'HOME	**पुरुष**
LA + AMPOLLA	L'AMPOLLA	**बोतल**
LA + ILLA	L'ILLA	**टापु**
LA + UNGLA	L'UNGLA	**नाखून**

किन्तु **LA** का लघु रूप बलाघातित **I/U** या **HI/HU** के सम्मुख नहीं होता ।

LA + INFERMERA	LA INFERMERA	**नर्स**
LA + UNIVERSITAT	LA UNIVERSITAT	**विश्विद्यालय**
LA + HISTÒRIA	LA HISTÒRIA	**इतिहास**

किसी स्वर व **H** के पूर्व, पूर्वसर्ग **DE** को लघु रूप मैं ही उपयोग किया जाता है ।

DE + AVUI	D'AVUI	**आज का/की**
DE + HORA	D'HORA	**अभी का/की**

बलाघात

हिंदी में चार प्रकार से बलाघात होते है: ध्वनि, अक्षर, शब्द व वाक्य बलाघात, किन्तु मात्राए होने के कारण कोई लिखित चिन्ह नहीं होता। कातालान में इसके विपरीत विशिष्ट बलाघात चिन्ह होते हैं जो खुले (`) और (´).बंद हो सकते हैं। स्वर **A** पर सर्वदा खुले बलाघात चिन्ह का प्रयोग होता है: **à / À** ।

यदि I या U पर बलाघात चिन्ह लगाना पड़े तो वह सर्वदा बंद ही होगा: **í / Í; ú / Ú** ।

यह जानने के लिए की स्वर **E** तथा **O** पर कौन सा बलाघात चिन्ह लगेगा, यह देखना पड़ेगा की उस का उच्चारण किस प्रकार किया जाता है। यदि वर्ण **E** या खुला **O** है तो लिखित बलाघात चिन्ह खुला होगा: **è / È ; ò / Ò** और यदि E या बंद O के सन्दर्भ मैं लिखित बलाघात चिन्ह बंद होगा: **é / É ; ó / Ó** ।

शब्दों की कुछ श्रृंखलाएँ ऐसी भी हैं जो सर्वदा एक ही प्रकार से चिन्हित की जाती हैं, उद्धरण के लिए:

— संख्यावाचक:

SISÈ (छठवाँ), **DESÈ** (दसवाँ), **VINTÈ** (बीसवाँ)...

— राष्ट्रवाचक:

ANGLÈS (अंग्रेज़), **PORTUGUÈS** (पुर्तग़ाली)...

डाएरेसिस चिन्ह

कातालान में, डायसिस चिन्ह का प्रयोग **U** स्वर पर किया जाता है जब वह **G** या **Q** के बाद और **E** या **I** से पहले आए। ऐसा यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है की **U** का उच्चारण करना अनिवार्य है ।

QÜESTIÓ	कुएस्तिओ	**प्रश्न**
AIGÜES	आइगुइस	**पानी**

डाएरेसिस चिन्ह का प्रयोग तब भी किया जाता है जब दो स्वरों (जिनमें से एक **I** या **U** हो) को संयुक्त स्वर नहीं बनाने हों, किन्तु उस पर बलाघात न किया जा सकता हो ।

RAÏM	राइम	**अँगूर**
LLUÏSA	ल्युईज़ा	**यूईसा**

मूक ऐसा की वर्तनी

मूक ऐसा की ध्वनि को अलग-अलग रूप से दर्शाया जाता है, जो इस बात पर निर्भर करता है कि यह किसी शब्द की आरम्भ, मध्य या अंत में प्रयुक्त हो रहा है, इसे निम्नलिखित वर्तनी द्वारा प्रस्तुत किया जा सकता है: **S**, **SS**, **Ç** तथा **C** ।

शब्द के आरम्भ मैं:

— **A**, **O**, **U** वर्णो के सम्मुख सर्वदा S के रूप मैं:

SABATA	सबाता	**जूता**
SOROLL	सोरोल्य	**शोर**
SURO	सुरो	**कॉर्क**

— **E** और **I** सम्मुख इसे **C** या **S** द्वारा लिखा जा सकता है ।

SENCER	सिंसर	**पूर्ण**
SIVELLA	सिवैया	**बक्कल**
CEL	सेल	**आकाश**
CIGARRETA	सिगारेता	**सिगरेट**

शब्द के मध्य मैं ।

— स्वर के मध्य मैं साधारणतः **SS**, **Ç** अथवा **C** ।

CASSOLA	कसोला	**पतीला**
ABRAÇADA	आब्रासादा	**आलिंगन**
NATACIÓ	नातासिओ	**तैराकी**

— व्यंजन तथा स्वर के मध्य इसे **S**, **Ç** (**A**, **O**, **U** के पूर्व) तथा **C** (**E** या **I** के पूर्व) रूप मैं लिखा जाता है ।

PANSA	पाँसा	**मुन्नका**
ADREÇA	आद्रेसा	**पता**
CANÇÓ	कांसो	**गीत**
ENCIAM	एनसीआम	**सलाद पत्ता**

— स्वर तथा व्यंजन के बीच इसे सर्वदा **S** के रूप मैं लिखा जाता है ।

ESCÀS	ऐस्कास	**अभाव**
PISTA	पिस्ता	**सुराग/पट्टी**

शब्द के अंत में ।

— सदेव **S** अथवा **Ç** द्वारा ।

ARRÒS	आरोस	**चावल**
LLAÇ	यास	**झील**

सुस्वन ऐसा (S) की वर्तनी

सुस्वन ऐसा की ध्वनि केवल शब्द के आरम्भ एवं मध्य मैं पाई जा सकती है और इसे **S** तथा **Z** व्यंजनों द्वारा लिखा जाता है ।

शब्द के आरम्भ मैं ।

— इसे सदैव **Z** द्वारा लिखा जाता है ।

ZERO	सेरो	**शून्य**
ZONA	सोना	**क्षेत्र**

शब्द के मध्य में:

— शब्द के मध्य मैं इसे सदैव **S** द्वारा दिखाया जाता है ।

CASA	कासा	**घर**
CAMISA	कामीसा	**कमीज़**

— व्यंजन तथा स्वर के मध्य मैं इसे सदैव **Z** द्वारा दिखाया जाता है ।

COLZE	कोलज़ा	**कोहनी**
PINZELL	पिंज़ेल	**तूलिका/ब्रुश**

— स्वर तथा व्यंजन के मध्य, तथापि, सदैव **S** द्वारा ।

ESBORRAR	एस्बोरार	**मिटाना**

संख्या लिखने हेतु समास चिह्न का प्रयोग

कातालान में, समास चिह्न का प्रयोग दहाई व इकाइयों के बीच और इकाइयों व सैकड़ों के बीच किया जाता है ।

TRENTA-UN	त्रेन्ता उन	**इकतीस**
CENT VUITANTA-TRES	सेन वुइतेनता त्रेस	**एक सौ तिरासी**
CINC-CENTS	सिंक सेण्तस	**पाँच सौ**

21 से 29 तक की संख्या लिखने हेतु दो दो समास चिन्हों का प्रयोग होता है ।

VINT-I-UN	वेन्त ई उन	**इक्कीस**
VINT-I-QUATRE	वेन्त ई कुआत्रा	**चौबीस**
VINT-I-VUIT	वेन्त ई वुइत	**अठाईस**

सर्वनाम

कातालान में व्यक्तिवाचक सर्वनाम **JO**, **TU**, **ELL** या **ELLA**, **NOSALTRES**, **VOSALTRES**, **ELLS** या **ELLES** हैं ।

JO	**मैं**	NOSALTRES	**हम**
TU	**तू**	VOSALTRES	**तुम**
vostè	**आप**	vostès	**आप सब**
ELL/ELLA	**वह**	ELLS/ELLES	**वे**

हिंदी में, व्यक्तिवाचक सर्वनाम लिंग को व्यक्त नहीं करते, क्यों कि यह क्रिया द्वारा स्पष्ट हो जाता है ।

कातालान में दुर्बल कहे जाने वाले सर्वनाम भी हैं। सबसे अधिक उपयोग मैं आने वाले दुर्बल सर्वनाम **EN**, **HI** तथा **HO** हैं ।

सर्वनाम **EN**

MENJO PATATES	**EN** MENJO
मैं आलू खाता हूँ।	
AGAFO TRES ENTRADES	**N'**AGAFO TRES
मैं तीन टिकट लेता हूँ।	
ESCRIU UN POEMA	ESCRIU-**NE** UN
एक कविता लिखो।	

सर्वनाम **HI**

PENSA EN LA NOTÍCIA	PENSA-**HI**
समाचार के बारे मैं सोचो	
VAIG A BARCELONA	**HI** VAIG
मैं बार्सिलोना जा रहा हूँ।	

सर्वनाम **HO**

PORTA'M AIXÒ	PORTA-M'**HO**
मुझे यह ला कर दो।	
FES EL QUE ET DIC	FES-**HO**
वह करो जो मैंने तुम्हे कहा है।	
SAP ALLÒ DE QUÈ PARLÀVEM	**HO** SAP
जिस बारे मैं हम बात कर रहे है क्या वह आपको पता है	

कातालान में क्रिया

कातालान में क्रिया रूप तीन प्रकार के होते हैं ।

— प्रथम क्रिया रूप वह है जो **AR** मैं अंत होते हैं:

CAMINAR	कामिनार	**चलना**

— द्वितीय क्रिया रूप वह है जो **ER** या **RE** मैं अंत होते हैं ।

NÉIXER	नेशर	**पैदा होना**
VIURE	विउरे	**जीना**

— तृत्य क्रिया रूप वह है जो **IR** मैं अंत होते हैं ।

CONDUIR	कोंदुीर	**गाड़ी चलना**

समय बताने की विधि:

कातालान में, समय बताने ले लिए **QUARTS** का उपयोग किया जाता है, लेकिन हरदम आने वाले समय की ही बात की जाती है ।

समय	**कातालान में**	**हिन्दी में**
4.15	UN QUART DE CINC	**पौने पाँच**
5.30	DOS QUARTS DE SIS	**साढ़े पाँच**
6.45	TRES QUARTS DE SET	**पौने सात**
7.00	LES SET EN PUNT o LES SET	**सात या ठीक सात**

ALGUNS ASPECTES CULTURALS DE LA SOCIETAT CATALANA

कातालान समाज के कुछ सांस्कृतिक पहलू

समाज

कातालुन्या में, किसी व्यक्ति, जिसके साथ आप के पहले से घनिष्ट सम्बन्ध हो, उसके सिर को छूना स्नेह की अभिव्यक्ति माना जाता है, और बहुत बार शिशुओं के सिर या पैरों को एक स्नेहप्रेरक मुद्रा के रूप में स्पर्श किया जाता है। भारत में, दूसरों के सिर को छूना, विशेषकर यदि उसने पगड़ी पहनी हो तो उसे, बुरा माना जाता है, क्योंकि इसे शरीर का एक पवित्र हिस्सा माना जाता है। इसी तरह, किसी को पैर से छूना भी अपमानजनक है ।

स्थान (परिवहन)

भारत एवं कातालुन्या के यातायात में मुख्य अंतर यह है की भारत मैं इंग्लॅण्ड की भांति बाँई और गाड़ी चलाते है और कातालुन्या मैं दाईं ओर । यातायात के नियम सामान्य ही हैं किन्तु अधिक जनसंख्याः के कारण भारतीय शहर काफी अव्यवस्थित होते हैं, शहरों की सड़कों पर ट्रैफिक अधिक होता है और लोगों की हलचल के बीच अपना रास्ता बनाने के लिए हॉर्न बजाना लगभग अनिवार्य होता है। दूसरी ओर, बड़े शहर, जैसे राजधानी दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई आदि मैं भी लेन मैं गाड़ी चलाने की प्रथा नहीं है, और स्वयं की उपस्थिति भी हार्न द्वारा ही दर्शाई जाती है। कातालुन्या में, हार्न का उपयोग केवल अत्यन्त दुर्गम परिस्थिति में ही किया जाता है क्योंकि इसे आक्रामकता और घबराहट का संकेत माना जाता है ।

घर और आसपास

कातालुन्या के सभी गाँव और शहर में, चाहे कितनी भी छोटी क्यों न हों, प्रत्येक सड़क का एक नाम होता है और प्रत्येक घर अथवा भवन की एक संख्या होती है। सम संख्याएँ दाहिने फुटपाथ पर होती हैं और विषम संख्याएँ बाईं ओर। भारत में, शहरों में भी केवल मुख्य मार्गो के ही नाम होते है और प्रत्येक घर अथवा भवन की क्रम संख्या होती है। छोटे गाँव में तो अधिकांश सड़कों का कोई नाम नहीं होता वह घर की भी कोई संख्या भी नहीं होती। इसलिए यदि आप भारत में किसी को पत्र भेजना चाहते हैं, तो उस व्यक्ति के नाम के अतिरिक्त, उस के पिता का नाम, गांव का नाम, क्षेत्र, जिला और राज्य का नाम लिखना होगा; और यदि आप इसे विदेश से भेजते हैं तो अंत में देश का नाम भी लिखना होगा । इस लिए, कातालुन्या की ही भांति, पिन कोड का प्रयोग करना अनिवार्य है । यह छह अंकों का विशिष्ट कोड है जो भारत में डाक वितरण करने वाले सभी डाक घरों को आवंटित किया जाता है। कातालुन्या में पिनकोड पाँच अंकों का होता है ।

घंटे और दिन

भारत का अपना पंचांग है जिसे विक्रमसंवत पंचांग कहते है जो चन्द्रमा की गति पर आधारित है, यद्यपि लगभग सभी कार्यों के लिए अंतर्राष्ट्रीय ग्रेगॉरियन कलैंडर का ही प्रयोग होता है। अधिकतर हिन्दू त्यौहार इसी चान्द्रिक पंचांग के अनुसार ही मनाए जाते हैं। इस की तिथि अंतर्राष्ट्रीय सूर्य कलैंडर की तिथि के अनुसार प्रतिवर्ष एक जैसी नहीं होती, किन्तु जिस कलैंडर के अनुसार तिथि का अनुमान लगाया गया हो उसी के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय कलैंडर में बदलती रहती है। यह कलैंडर चान्द्रिक, सूर्य या सोर-चान्द्रिक भी हो सकता है। वर्ष को ऋतुओं के अनुसार भी विभाजित किया जा सकता है। भारत की छः मुख्य ऋतुएँ हैं: वसंत, ग्रीष्म, वर्षा, शरद, हेमंत और शीत ऋतू। कातालुन्या में, वर्ष में चार मौसम होते हैं: वसंत, ग्रीष्म, शरद और शीत ऋतु। कातालुन्या में भी कुछ त्यौहार ऐसे हैं जिनकी तिथि एक वर्ष से दूसरे वर्ष की तिथि से भिन्न होती हैं, विशेष कर वह जो ईसाई धर्म के नियमों अनुसार चलते हैं ।

कामकाज

कातालुन्या में, एक विस्तृत सामाजिक सुरक्षा प्रणाली है जो बेरोज़गारी, पेंशन और बीमारी या मातृत्व के कारण अवकाश के समयमें प्रतिपूरक आर्थिक सहाय सुनिश्चित करती है। इसके अंतर्गत कारोबारी और श्रमिक दोनों ही सामाजिक सुरक्षा के कोष में प्रत्येक माह अनिवार्य यथासंगत योगदान देते हैं। भारत में कोई अनिवार्य केंद्रीय सामाजिक सुरक्षा प्रणाली नहीं है, यद्यपि अनिवार्य भविष्य निधि है तथा राष्ट्रीय पेंशन योजना में स्वेच्छापूर्वक एक निश्चित राशि जमा करा सकता हैं। एक बार जब व्यक्ति सेवानिवृत्त हो

जाता है, तो भविष्यनिधि के अंतर्गत सरकार एक ही साथ भुगतान में पूरी राशि दे देती है, और राष्ट्रीय पेंशन योजना के अंतर्गत उसे आजीवन पेंशन मिल सकती है ।

बाजार और दुकानें

भारत में सभी प्रकार की दुकानें और बाज़ार होते हैं, और सड़क पर फेरी लगा कर सामान बेचने की एक व्यापक प्रथा है, जहाँ पर मोलभाव करना एक आम बात है; ग्राहक को यह पता होना चाहिए कि उसे विक्रेता को कितना मूल्य देना है ताकी वह माल भी अच्छे दाम पर ले पाए तथा विक्रेता को भी बेचने के लिए इतना मजबूर न कर दे की उसे हानि उठानी पड़े। कातालुन्या में, फेरी लगाकर बेचने को जन समुदाय द्वारा अच्छी निगाह से नहीं देखा जाता। स्थानीय सरकारें फेरी वालों के लिए विशेष आयोजन करती हैं जिसके द्वारा वह इन व्यवसाइयों के व्यवसाय को आकर्षक और सक्षम बनाती हैं ताकि सड़क पर बिक्री व्यवस्थित हो और नगरपालिका के नियमों का पालन हो। यह आयोजन भारत मैं लगने वाले मंगल, शनि या रविवारी बाजार आदि के समान है ।

खान पान

पारंपरिक कातालान भोजन में सबसे अधिक प्रयोग मैं लाए जाने वाले मसाले हैं, लहसुन, काली और लाल मिर्च, चीनी, बादाम, अजमोद, केसर, दालचीनी, मेंहदी, अजवाइन के फूल, और चॉकलेट. इसके उपरांत पिकादा, एक प्रकार का मसाला है जो हर पकवान के लिए अनिवार्य है। यह बादाम, पांव रोटी और पानी (या शोरबा) आदि कुछ वस्तुओं का मिश्रण है जिसे खल्ल मैं घोट कर तैयार किया जाता है। खाना पकाना बंद करने से दस मिनट पूर्व, इसे पक रहे पकवान मैं छोंक की तरह डाला जाता है। यह मसाला कई प्रकार से बनाया जाता है और यह कई रूप में मिलता हैं जो इस मैं प्रयोग हुई सामग्रियों पर निर्भर करता है। इसमें लहसुन, न्योरा, दालचीनी, चॉकलेट, पिंगल फल, केसर आदि का उपयोग भी होता है। सामान्य रूप से पूरे भारत में, भोजन को अलग-अलग मसालों के मिश्रण के साथ बनाया जाता है. ताज़ा मसाले सील-बट्टे और कुण्डी-सोटे में घोटे जाते हैं और यदि वे सूखे हों तो इमामदस्ते में। कम से कम दस मसालों का मिश्रण किया जाता है जिसे पश्चिमी देशो में करी के रूप मैं जाना जाता है। व्यंजन बनाने की भारत में इतनी विधियां हैं की जितने मसाले और जितने रसोइये, उतने ही करी के रूप ।

सेवाएं

भारतीय रेल के स्टेशनों पर किसी भी यात्री के लिए, टिकट की श्रेणी के अनुसार, प्रतीक्षालय बने होते हैं। वे निशुल्क होते हैं जहाँ पारगमन यात्री आराम कर सकते हैं, स्नान कर सकते हैं और अधिकतम दो रात्रि तक रह भी सकते हैं। कातालुन्या में इस प्रकार की कोई सेवा नहीं है और यदि आपको यातायात के समय रात बिताने की आवश्यकता है तो आपको होटल या यात्री निवास आदि मैं जाना होगा ।

स्वास्थ्य

कातालुन्या में, एक विस्तृत स्वास्थ्य प्रणाली है जो बहुत व्यापक चिकित्सा और अस्पताल की सेवाओं को सुनिश्चित रूप से प्रदान करती है और इस में अधिकांश दवाओं पर वित्तीय छूट भी दी जाती है। यह एक ऐसी प्रणाली है जिसे सभी नागरिक द्वारा दिए गए करों के आधार पर चलाया जाता हैं और विक्रय शक्ति की परवाह किए बिना सभी उसका उपयोग कर सकते हैं। भारत में भी एक सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली है, किन्तु वहां स्वास्थ्य केंद्र और उपचार का विस्तार अत्यधिक सीमित है, और वहां दवाओं पर वित्तीय छूट भी नहीं दी जाती। किंतु सरकार इसके लिए अतिरिक्त कर भी नहीं लेती, और यह बहुधा निःशुल्क ही होती है, तब भी सीमित संसाधनों वाले लोगों के लिए उपचार का पालन करना कठिन हो जाता है ।

मनोरंजन

यद्यपि क्रिकेट भारतीयों का सबसे पसंदीदा खेल है और इसे राष्ट्रीय सम्मान का विषय भी माना जाता है, भारत का राष्ट्रीय खेल हॉकी है। स्थानीय खेलो मैं कबड्डी भी बहुत अधिक लोकप्रिय है। वही पर कातालुन्या मैं फुटबॉल का धर्म के रूप मैं पालन किया जाता है । बार्सिलोना की फुटबॉल टीम विश्व में ख्यातिप्राप्त टीम है। कातालुन्या मैं हॉकी भी लोकप्रिय है और यहाँ इसकी छः टीमें भी हैं। कातालुन्या में, भारत और अन्य एशियाई देशों की मदद से क्रिकेट भी लोकप्रिय हो रहा है। अब यहाँ कातालान क्रिकेट फेडरेशन भी है, जो 56 टीमों से बनी है और जो कातालान लीग और यूरोपीय लीग खेलती है। इसी प्रकार 7 कबड्डी टीमें भी हैं जो प्रतियोगिताओं का आयोजन करती रहती हैं और हजारों लोगों को एक दूसरे के निकट लाती हैं ।